



शक्ति- संगीत और नृत्य का उत्सव

चर्चा में क्यों?

देश में मंदिर परंपराओं को पुनर्जीवित करने के लिये **संगीत नाटक अकादमी**, कला प्रवाह की शृंखला के तहत, **9 अप्रैल 2024** से पवित्र नवरात्रि के दौरान 'शक्ति-संगीत और नृत्य का उत्सव' शीर्षक के तहत उत्सव का आयोजन कर रही है

मुख्य बंदि:

शक्ति-उत्सव का उदघाटन **कामाख्या मंदिर, गुवाहाटी** से शुरू होगा और यह महालक्ष्मी मंदिर, कोल्हापुर, महाराष्ट्र, जवालमुखी मंदिर, कंगडा, हिमाचल प्रदेश, त्रपुरा सुंदरी, उदयपुर, त्रपुरा, अंबाजी मंदिर, बनासकांठा, गुजरात, जय दुर्गा शक्तिपीठ, देवघर, झारखंड में जारी रहेगा तथा **17 अप्रैल, 2024** को शक्तिपीठ माँ हरसधि मंदिर, उज्जैन, मध्य प्रदेश में इसका समापन होगा

संगीत नाटक अकादमी

- संगीत नाटक अकादमी संगीत, नृत्य और नाटक के लिये भारत की राष्ट्रीय अकादमी है।
- वर्ष 1952 में (तत्कालीन) शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के एक प्रस्ताव द्वारा **डॉ. पी.वी. राजमन्नार** को इसके पहले अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया।
- यह वर्तमान में संस्कृत मंत्रालय, भारत सरकार का एक **स्वायत्त निकाय** है और इसकी योजनाओं तथा कार्यक्रमों के कार्यान्वयन के लिये सरकार द्वारा पूरी तरह से वित्तपोषित है।
- यह संगीत, नृत्य, नाटक, लोक और आदिवासी कला रूपों तथा देश के अन्य संबद्ध कला रूपों के रूप में व्यक्त देश के प्रदर्शन कला रूपों **केंद्रक्षण, अनुसंधान, प्रचार एवं कायाकल्प** की दिशा में कार्य कर रहा है